Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2025 = 8.486
https://www.srjis.com/issues_data/276
Peer Reviewed & Refereed Journal, NOV-DEC 2025, Vol- 14/92

संचार साधनों (सोशल मीडिया) का भारतीय महिलाओं पर प्रभाव : वर्तमान परिदृश्य

आशा
(पीएच. डी.)

Paper Received On: 20 NOVEMBER 2025
Peer Reviewed On: 24 DECEMBER 2025
Published On: 01 JANUARY 2026

Abstract

यह निर्विवाद सर्व स्वीकार्य तथ्य है कि ''सोशल मीडिया'' आधुनिक संचार साधनों में मनोरंजन का सबसे सशक्त, प्रभावी, महत्वपूर्ण एवं अत्याधुनिक साधन ही नहीं है अपितु सबसे सस्ता एवं हर समय उपलब्ध साधन है और सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त माध्यम भी है। सोशल मीडिया ''संचार–सम्प्रेषण'' का एक लोकप्रिय साधन है। सोशल मीडिया ने महिलाओं को एक विश्व मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पर वह सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक समाज की संस्कृति, रीति रिवाज, लोक रीतियों एवं परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। सोशल मीडिया ने भारतीय महिलओं के सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, आर्थिक एवं धार्मिक प्रत्येक पक्ष को प्रभावित किया है।

पारिभषिक शब्दः सोशल मीडिया, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक परिवर्तन, संचार साधन।

विवेचना एवं उपलब्धियाँ :

प्रस्तुत अध्ययन को सम्पादित करने के लिए शोध समस्या की प्रकृति एवं अध्ययन के उद्देश्यों व परीक्षणार्थ परिकल्पनाओं की सत्यता एवं सार्थकता की जांच करने की दृष्टि से वर्णनात्मक तथा अन्वेषणात्मक अनुसंधान अभिकल्प (डिस्क्रिप्टिव एण्ड ह्यूरिस्टिक रिसर्च डिजाइन) का चुनाव किया है।

सोशल मीडिया का महिलाओं के जीवन पर सामाजिक प्रभाव–

समाज में रहकर तथा सामाजिकरण की प्रक्रिया में से निकलकर ही बालक एक सामाजिक प्राणी का रूप धारण करता है। सोशल मीडिया ने महिलाओं को एक विश्व मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पर वह सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक समाज की संस्कृति, रीति रिवाज, लोक रीतियों एवं परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। वह इन संस्कृतियों, सभ्यताओं

Copyright © 2025, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

के चलचित्र को देखती हैं तथा विभिन्न समाज से संबंधित व्यवहारों को सीखती तथा उनका उपयोग करती हैं।

सामाजिक जीवन पर सोशल मीडिया द्वारा पड़ने वाले प्रभावों के प्रतिन्यादर्शो के विचार (अभिमत)

क्रमांक	सोशल मीडिया से पड़ने वाले प्रभावों	(आवृत्तियाँ / प्रतिशत)			
के प्रति	न्यादर्शों के विचार	हाँ	नहीं	उदासीन	योग
1.	पढ़ाई लिखाई के प्रति उदासीनता आयी है।	279	––	21	300
(93.00)	(00.00)	(07.00)	(100.00)		
2.	सामान्य ज्ञान बढ़ा है।	300	––	––	300
(100.00)	(00.00)	(00.00)	(100.00)		
3.	आनलाइन खेलों के प्रति रूझान बढ़ा है।	246	09	45	300
(82.00)	(03.00)	(15.00)	(100.00)		
4.	विलासिता की प्रवृत्तियाँ बढ़ी हैं।	279	18	03	300
(93.00)	(06.00)	(01.00)	(100.00)		
5.	पारिवारिक अनु ाासन ि ाथिल हुआ है।	243	09	48	300
(81.00)	(03.00)	(16.00)	(100.00)		
6.	व्यक्तित्व विघटित हुए हैं।	189	21	90	300
(63.00)	(07.00)	(30.00)	(100.00)		
7.	व्यक्तित्व विकास में सहायक भी है।	180	30	90	300
(60.00)	(10.00)	(30.00)	(100.00)		
8.	मनोरंजन करने की प्रवृत्ति बढ़ी है।	198	15	87	300
(66.00)	(05.00)	(29.00)	(100.00)		
9.	जीवन पर बहुआयामी प्रभाव पड़ा है।	267	––	33	300
(89.00)	(00.00)	(11.00)	(100.00)		
10.	नैतिक एवं चारित्रिक पतन हुआ है।	240	12	48	300
(80.00)	(04.00)	(16.00)	(100.00)		

सोशल मीडिया का महिलाओं के जीवन पर आर्थिक प्रभाव –

सोशल मीडिया ने व्यक्ति को भौतिक वादी बना दिया है। जब आज सोशल मीडिया पर नये नये उत्पादन के विज्ञापन आते हैं तो उन्हें **महिलायें** देखकर आकर्षित होती है। ये नये उत्पादन तथा उपभोग की आधुनिक वस्तुएं बहुत ही मंहगी होती हैं। **महिलाओं** द्वारा इस पर व्यय करने से आर्थिक स्थिति पर सीधा प्रभाव पड़ता हैं।

सोशल मीडिया का महिलाओं के जीवन पर राजनैतिक प्रभाव–

राजनैतिक मुद्दों का सीधा प्रसारण, राजनैतिक समाचार, चुनाव विश्लेषण राजनीतिक चर्चाएं आदि का **महिलाओं** पर विशेष रूप से प्रभाव पड़ता है।

सोशल मीडिया का महिलाओं के जीवन पर सांस्कृतिक प्रभाव–

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता आधुनिक युग की सबसे प्राचीन संस्कृति है। आधुनिक समय में आदर्श दिखने वाले विकसित देशों का जन्म भी नहीं हुआ था, उससे पूर्व भारतीय संस्कृति सम्पूर्ण विश्व में अपनी प्राचीनता की छाप छोड़ चुकी थी सोशल मीडिया ने सम्पूर्ण विश्व की संस्कृति को एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है। जिससे आज की **महिला** काफी प्रभावित हुई हैं तथा वह अन्य देशों की संस्कृति को आत्मसात करने लगा है।

सोशल मीडिया और फैशन के प्रति दृष्टिकोण –

इस फैशन की दुनिया मेंयुवतियां व **महिलाऐं** अपने को आकर्षक एवं सुंदर बनाना चाहते हैं। इस कारण से सोशल मीडिया पर सौन्दर्य प्रसाधन, फैशन की दुनिया, त्वचा की सुरक्षा, आंखों का सुन्दर दिखना केस सज्जा, आदि के लिये कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाते हैं। सोशल मीडिया पर जो विज्ञापन दिखाए जाते हैं उसमें कॉसमैटिक उत्पादनों का विज्ञापन सबसे अधिक किया जाता है। इसकी ओर किशोर आकर्षित होते हैं और मंहगे से मंहगे श्रृंगार प्रसाधन खरीदते हैं तथा उनका उपयोग करते हुए स्वयं को समाज के सामने प्रस्तुत करते हैं। इस प्रसंग में सोशल मीडिया की भूमिका प्रमुख रही है।

सोशल मीडिया का महिलाओं के धार्मिक जीवन पर प्रभाव –

टायलर ने कीा है, ''धर्म आध्यात्मिक शक्ति में विश्वास है।'' हमारा देश एक धर्म निरपेक्ष देश है। यहां पर कई धर्मों के लोग एक साथ निवास करते हैं। धर्म का हमारी भारतीय संस्कृति पर एक अमिट छाप है। सोशल मीडिया के माध्यम से **महिलाओं** को विभिन्न प्रकार के धर्मो उनके प्रचार प्रसार एवं उनकी शिक्षाओं का ज्ञान हुआ है और वे एक विश्वव्यापी धर्म जो मानव की कोख से उपजी इन्सानियत है, उसे समझने लगी हैं।

सोशल मीडिया का शिक्षाप्रद/शैक्षिक प्रभाव – शिक्षा का मानव जीवन में बहुत महत्व है। शिक्षा केवल स्कूल जाने तक सीमित नहीं रहती। पर जीवन के हर पहलू में शिक्षा छिपी हुई होती है। सोशल मीडिया ने शिक्षा जगत में अपना प्रभाव चहुमुखी रखा है। **महिलाओं** को एक नया मार्ग दिखाया है। इस कम्प्यूटर युग में सोशल मीडिया के महत्व ने **महिलाओं** के लिये शिक्षा का सशक्त मार्गदर्शन किया है। रोजगार के साधन जुटाए हैं और वर्तमान युग की उन्नति को कला, ज्ञान विज्ञान, संस्कृति, राजनीति आदि में सोशल मीडिया ने ऊंचाईयों तक पहुंचाया है। आज की **महिलायें** कम्प्यूटर से परिचित है। सोशल मीडिया के कुछ कार्यक्रम समझ से बाहर होते हैं। कुछ कार्यक्रम भाषा के कारण समझ में नहीं आते। समाचारों से सामान्य ज्ञान बढ़ता है। साथ ही पूरे विश्व की परिस्थिति का ज्ञान भी **महिलाओं** पर पड़ता है। पर कभी–कभी यह प्रभाव नकारात्मक भी होता है। जब महिला वर्ग घंटों पिक्चर, मनोरंजन के प्रोग्राम में अपने

आपको इतना डुबा देते हैं कि उन्हें अपने गृह कार्यों के लिये पर्याप्त समय नहीं मिलता। शैक्षणिक कार्यक्रम सोशल मीडिया पर पर्याप्त भी नहीं है।

निष्कर्षः

अन्ततः कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया के दर्शक इन दिनों एक नए अनुभव या संचार क्रांति से एक अनूठे दौर से गुजर रहे हैं। सोशल मीडिया से लोगों का मनोरंजन भी भरपूर हुआ है। सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को अपनी संस्कृति जानने का मौका भी मिला है। इस प्रकार संस्कृति, साहित्य, धर्म, राजनीति, शिक्षा, मनोरंजन, आर्थिक जगत, खेलकूद आदि सभी गतिविधियों का एक सशक्त उपकरण सोशल मीडिया आज एक लोकप्रिय साधन बन गया है। मनुष्य समाज में जन्म लेता है और वह एक प्रगतिशील प्राणी बनता है और यदि वह प्रगतिशील प्राणी है तो समाज आदर्श, संस्थाएं, आचार–विचार एवं भिन्न–भिन्न संबंध जिनमें वह बंधा हुआ है, वह भी प्रगतिशील है एवं यह प्रगति जो संस्थाओं, समाज सम्बन्धों एवं समाज की आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक दशाओं में हो रही है वह मनुष्य के लिये लाभदायक है या नहीं यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। इस प्रश्न के उठते ही हमारे सामने उसके आदर्श, उसकी समस्याएं एवं रीति रिवाज उसकी प्रगति एवं आविष्कार, उसकी आर्थिक दशा तथा सामाजिक, आध्यात्मिक दशाएं आ खड़ी होती हैं क्योंकि मनुष्य इन्हीं में पलता है और यही मनुष्य के सम्पूर्ण, एकीकृत, अनुरूप, व्यक्तित्व के निर्माण में सहायक हैं।

संदर्भः

Aker, J., R. Boumnijel, A. McClelland, and N. Tierney (2013). How Do Electronic Transfers Compare? Evidence from a Mobile Money Cash Transfer Experiment in Niger. Tufts University Working Paper.

Beena, Ms, and Madhu Mathur. (2012). Role of ict education for women empowerment." International Journal of Economics and Research 3.3: 164-172.

Carah N, & Dobson A (2016) Algorithmic hotness: young women's"promotion" and "reconnaissance" work via social media body images. Soc Media Soc, 2(4).

Cummings, C. and Tam O'Neil. (2015). Do digital information and communications technologies increase the voice and influence of women and girls. A rapid review of the evidence. Overseas Development Institute. Keeley, Brian, and Céline Little.

The State of the Worlds Children 2017: Children in a Digital World. UNICEF. 3 United Nations Plaza, New York, NY 10017, 2017.

Maier, S., & Nair-Reichert, U. (2007). Empowering Women Through ICT-Based Business Initiatives: Best Practices in E-Commerce/E-Retailing Projects overview. Information Technologies and International Development, Special Issue on Women's Empowerment and the Information Society, 4(2), 43-60.

Malhotra, R. (2015). Empowering Women through Digital Technology: An Indian prospective. International Journal of Business Management.

Nath, V. (2001). Empowerment and governance through information and communication technologies: women's perspective. The International Information & Library Review 33.4

317-339. Notermans, Catrien. "Prayers of cow dung: Women sculpturing fertile environments in rural Rajasthan (India)."

Rajahonka, M. and Kaija V. (2019). Women managers and entrepreneurs and digitalization: on the verge of a new era or a nervous breakdown? Technology Innovation Management Review 9.6 Women, Connected.

"The mobile gender gap report 2018." GSMA, London Retrieved from https://www. gsmaintelligence. com/research (2019).